# प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 13 अगस्त, 2016 को विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के आर्गन ट्रांसप्लांट विभाग द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रेन डेड मरीजों के परिवारीजनों को जिन्होनें अपने मरीजो के आर्गन को दान दिया था उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 एस0सी0 तिवारी, प्रो0 विजय कुमार, प्रो0 अभिजित चंद्रा, डॉ0 विवेक गुप्ता, डॉ0 मनमित सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

इस अवसर पर डॉ0 विवेक गुप्ता द्वारा बताया गया कि के0जी0एम0यू0 में अब तक 19 लोगो ने अंग दान किया है जिससे 12 लिवर और 36 गुर्दा प्राप्त किये जा सके और इनसे कई सारे लोगो को जिवन दान मिला। डॉ0 गुप्ता ने बताया कि अंग दान में सबसे बड़ी बाधा है लोगो में जागरूकता की कमी। ब्रेन डेड मरीज का अगर ऑर्गन डोनेट किया जाता है तो विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा डेड बॉडी को घर तक ले जाने के लिए सुविधा प्रदान किया जाता है। और चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा उसके परिवार के किसी एक व्यक्ति को हेल्थ कार्ड भी बनाया जाता है, जिससे उसके इलाज में कई तरह की सहुलियतें मिलती है।

डॉ0 विवेक गुप्ता द्वारा यह भी बताया गया कि एक साल के बच्चे से लेकर 100 साल तक बुजुर्ग का भी अंग दान किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए ऐसे ब्रेन डेड के मरीजो का अंग ही काम आता है जो इससे पहले पूर्ण तह स्वस्थ रहे हों। अंग दान करने वाले लोगो में हजार में एक लोगो का रिस्क होता है। ब्रेन डेड मरीजों के आठ प्रकार के अंगो को दान किया जा सकता है जिनमे लिवर, किड्नी, कार्निया, पैंक्रियाज, हार्ट वाल्व, हड्डी, स्कीन आदि अंग शामिल है। अंग दान के माध्यम से गर्भाशय तक दान किया जा सकता है। विदेशों में एक लाख ब्रेन डेड मरीजों में से 35 प्रतिशत लोग अंग दान करते है। जबकि भारत में इसका एक प्रतिशत का भी औसत नही है।

इस अवसर पर प्रो0 अभिजित चंद्रा द्वारा बताया गया कि हमारे यहां भी आर्गन ट्रांसप्लांट की सुविधा जल्द ही शुरू हो जायेगी। इसके लिए शताब्दी के थर्ड फ्लोर पर आईसीयू का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। डॉक्टरों की नियुक्ति की गई और इसके लिए पैरामेडिकल स्टॉफ और अन्य स्टॉफ के लिए अनुमति मांगी गई है। के0जी0एम0यू0 में नार्थ इंडिया में सबसे ज्यादा अंगदान कराने वाला संस्थान के0जी0एम0यू0 है। हमारे यहां हर रोज करीब एक ब्रेन डेड का मरीज आता है लेकिन हम औसतन 20 प्रतिशत भी अंग दान नही करा पाते है। उन्होंने बताया कि करीब 200000 लाख गुर्दे के रोगियों को डायलिसिस की जरूरत पड़ती है जिनमे से 20000 मरीजों को गुर्दे के ट्रांसप्लांट की जरूरत है। आर्गन डोनेशन के लिए चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा एक हेल्पलाईन नंबर भी जारी किया गया है– 9455120019

स्पर्श संस्था–9454036899